



दैनिक मीडिया ऑडिटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित



कनकशन सल्सिटायट्...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

**पाकिस्तान: मुठभेड़ में मारे
गए 18 सुरक्षाकर्मी, 23
आतंकी भी ढेर**



जारी है, और दोनों ही तरफ से दर्जनों जाने जा चुकी हैं। पाकिस्तान की सेना ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 24 घंटों में अशांत बलुचिस्तान के विभिन्न इलाकों में ये आतंकवादी भारतीय गढ़ ले रहे हैं। शनिवार को हासई जिले में ऐसे ही एक आपेक्षण में पाकिस्तानी सेनेंद्रों की आतंकवादीयों के साथ हुए मुठभेड़ में 11 आतंकवादी मारे गए। इस सुरक्षाकालों ने कई आतंकवादी छिनाने को नष्ट कर दिया।

शुक्रवार रात को बलुचिस्तान के कलात जिले के मौजूद इलाके में सुरक्षाकालों ने आतंकवादीयों के सड़क पर बैंकेंट और बालू भूमि के नाकाम करते हुए 12 आतंकवादीयों को मार गिराया। सेना ने बताया, 'पिछले 24 घंटों में बलुचिस्तान में विभिन्न अधियांशों के तहत कुल 23 आतंकवादीयों को मार गिराया गया है' सेना ने बताया कि सुरक्षा ने आतंकवाद के खाली क्षेत्रों के लिए दूसरे सकल्प हैं। पाकिस्तानी सुरक्षाकालों पर हुए हमले की अभी तक किसी भी सांघरण न जिम्मेदारी नहीं ली गयी।

जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति होर्स्ट कोहलर का निधन

बर्लिन (एजेंसी) अंतर्राजीय मुद्रा कोष यानी कि द्वारा के पूर्व चीफ और जर्मनी के पूर्व राष्ट्रपति होस्ट कोहलर का निधन हो गया। वह 81 साल के थे। मोज़दा जर्मन राष्ट्रपति फ्रैंक-बाल्टर स्टेन्मर्ग के दफ्तर में एक बायन में कहा था कि थोड़े बत्ते तक तक बीमार रहने के बाद शनिवार सुबह बर्लिन में कोहलर



ने अंतिम सांस ली और उस बत्ते उनका परिवार उनके साथ था। कोहलर 2004 से 2010 तक जर्मनी के साथ था। वह पैरिज मर्केन के सत्र में आने से पहले राष्ट्रपति चुने गए थे। उस समय जर्मनी ब्रावार मुद्राएँ और कल्याणकारी राज्य कर्तव्यों के साथ तालिम किये के लिए संर्वें कर रहा था।

जर्मनी कोहलर ने कहा था कि उन्हें 'पूरी तरह से विश्वास देते हुए जर्मनी में बदलाव की शक्ति है' कोहलर ने 31 मई, 2010 को राष्ट्रपति पद से अवकाश नाकोंडा का सूची से इसको दे दिया। उन्होंने यह बारे में रेडियो को दिया अपने एक इंटरव्यू में हाल ही रही आलोचना का हवाला दिया। उन्होंने यह इंटरव्यू अफगानिस्तान में जर्मन सैनिकों के दौर के सिलास्ते में दिया था। कई लोगों ने इस अफगानिस्तान में जर्मनी के अलांकृतियों में संबंधित माना था। कोहलर का जन्म 22 फरवरी 1943 को नाजी कूर्जे वाले पैरेंट के फरवरी 1943 को नाजी कूर्जे वाले पैरेंट के स्कॉर्केलोजों में मूल रूप से एक जर्मन विस्तार परिवार में हुआ था। दूसरे विश्व युद्ध के बाद उनका परिवार पूर्वी जर्मनी के लोपिंग में रहा और फिर 1954 में परिवारी जर्मनी में आ गया।

विचार

श्रृंखला भारत को कठिन चौराहे पर छोड़ गई

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की अंदरूनी मुश्किलों का इज़हार खुल कर हुआ। पूरी सीरीज में एकमात्र चमकता सितारा जसप्रीत बूमरा रहे। मगर एक खिलाड़ी पर निर्भरता दुर्दशा का ही संकेत है। कुल मिला कर श्रृंखला भारत को कठिन चौराहे पर छोड़ गई है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय क्रिकेट टीम हार जाए, यह अनहोनी नहीं है। हालांकि पिछले दो दौरों में टीम वहां विजय पताका लहरा कर लौटी, मगर उसके पहले का रिकॉर्ड बेहतर नहीं है। वैसे भी हार-जीत खेल का हिस्सा है, इसलिए पराजय पर हाय-तौबा की जरूरत नहीं होती। मगर ऑस्ट्रेलिया के खत्म हुए ताजा दौरे में बात सिर्फ यह नहीं है कि भारत ने 1-3 से सीरीज गंवा दी। बात टीम की अंदरूनी मुश्किलों की है, जिसका इज़हार खुल कर हुआ। पहले तो श्रृंखला के बीच में ही रविचंद्रन अश्विन रिटायरमेंट का एलान कर भारत लौट गए। उनके और उनके परिजनों से बयानों से साफ है कि अश्विन टीम में खुद को उपेक्षित और अपमानित महसूस कर रहे थे। अश्विन का रिकॉर्ड मैच विनर का रहा।

पूरे टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में वे चंद गेंदबाजों में हैं, जिन्होंने 500 से ज्यादा विकेट लिए। भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले वे दूसरे खिलाड़ी रहे। ऐसे खिलाड़ी की बे-आबरू विदर्दी टीम प्रबंधन पर कलंक छोड़ गई। मगर बात वहीं तक नहीं रुकी। अंतिम टेस्ट मैच आते-आते तो हालात ऐसे बने कि कोच गौतम गंभीर ने कसान रोहित शर्मा को ही खेलने वाले 11 खिलाड़ियों से बाहर करने का अभूतपूर्व फैसला ले लिया। इसके बावजूद सिडनी टेस्ट में भारत की बुरी हार हुई। उसके साथ ही टीम के टेस्ट वैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की बची-खुची उम्मीदें भी धूल में मिल गईं।

अब हाल यह है कि टीम में रोहित के साथ-साथ विराट कोहली का भविष्य भी अनिश्चित हो गया है। मुश्किल यह है कि टेस्ट क्रिकेट का धीरज रखने वाले खिलाड़ी सामने नहीं आ रहे हैं। जो आते हैं, वे टीम प्रबंधन की गलत नीतियों का शिकार हो जाते हैं। यशस्वी जायसवाल को छोड़ कर एक भी नया खिलाड़ी नहीं है, जिससे लंबे भविष्य की उम्मीद जोड़ी जा सके। सरफराज में संभावनाएं हैं, मगर उनको मौका नहीं दिया गया। तो पूरी सीरीज में एकमात्र चमकता सितारा जसप्रीत बूमरा रहे। मगर एक खिलाड़ी पर निर्भरता टीम की दुर्दशा का ही संकेत है। कुल मिला कर यह श्रृंखला भारत को कठिन चौराहे पर छोड़ गई है।

जारवा लोगों को मत का अधिकार मिल

प्रमोद भार्गव

आदिम जनजाति जारवा अंडमान-द्वीप समूह की एक प्रमुख जनजाति है। ये आज भी अर्ध-खानाबदोश आदिम जीवन-शैली जी रहे हैं। प्राकृतिक रूप में उपलध वन-संसाधन ही इनके आजीविका के प्रमुख साधन हैं। स्थानीय प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहकर ये अपनी जीवन-शैली में मरते हैं। जारवा लोग बाहरी संपर्क से अलग-थलग हैं। इसी कारण उनकी अनूठी सांस्कृतिक परंपरा और भाषा-बोली संरक्षित हैं। वे दक्षिणी और मध्य अंडमान द्वीप समूह के पश्चिमी समुद्री तटों पर रहते हैं। स्थानीय प्रशासन के तमाम प्रयासों के बाद अब इस जनजाति समूह को संवैधानिक लोकतांत्रिक धारा से जोड़े जाने की एतिहासिक पहल हुई है।



इस समुदाय के 19 सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करके, उन्हें मतदाता पहचान-पत्र दिए गए हैं। अंडमान द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्रभूषण कुमार ने दक्षिण अंडमान जिले के जिरकाटांग स्थित बस्ती में पहुंचकर पहली बार मतदाता बने लोगों को पहचान-पत्र सौंपे। जारवा समुदाय की इन पहचान-पत्रों से भारतीय होने की नारायणिकता सुनिश्चित हुई है। साथ ही यह उनकी की रक्षा के लिए एक व्यापक उपाय भी है। इस कार्यवाही से उम्मीद जागी है कि भविष्य में इस द्वीप समूह के सभी लोग भारतीय नारायणिक के रूप में मतदाता बना दिए जाएं। वरन एक समय इस द्वीप समूह में प्रवेश पाना मौत को आमंत्रणदाना था।

इस कार्यवाही को पूरी करने में अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और सम्मानजनक तरीके से उनकी

भाषा में चुनावी प्रक्रिया के बारे में जारवा समुदाय से संवाद करके उनके बीच जागरूकता पैदा करके इस प्रक्रिया को सुगम बनाया। जारवा समुदाय अंडमान द्वीप समूह के दक्षिण और मध्य तथा पश्चिमी समुद्री तटों पर रहते हैं। यह पूरा क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। इसे ही इस समुदाय ने अपने पारपर्याक जीवनशैली के अनुरूप ढाल लिया है। जारवा समुदाय के साथ पहला उल्लेखनीय दोस्ताना संबंध अप्रैल 1996 में हुआ था, जो बाहरी दुनिया के साथ उनके संपर्क में एक अहम मोड़ साबित हुआ।

इस संबंध के लिए शायद प्रकृति ने ही घटनाक्रम रचा था। दरअसल, जारवा जनजाति के 21 वर्षीय एनमई को अपने बांद टर्याने में गंभीर चोट आई थी। प्रशासन ने करुणा पर दिया देते हुए एनमई का उत्तरात्पूर्वक उपचार कराया और ठीक होने के बाद उन्हें सुरक्षित बस्ती में वापस भेज दिया। यहां से

प्रशासन और समुदाय के बीच विश्वास का जो संवाद बना, उसने आज इस समुदाय के लोगों के भारतीय नामांक होने के पहचान के रूप में मतदाता पहचान-पत्र सौंपने का मार्ग प्रशस्त किया। अन्यथा जारवा समूह से जो भी कोई संपर्क करने की सोचता था, उसे हिंसक टकराव करना पड़ता रहा है। दरअसल, जो लोग स्वयं को सच्च और आधुनिक समाज का हिस्सा मानते रहे हैं, वही लोग प्राकृतिक अवश्य में रह इन लोगों को इंसान मानने की बजाय लगभग जंगली जानवर ही मानते रहे हैं। आधुनिक कहे जाने वाले समाज की यह एक ऐसी विडंबना है, जो स्थाना के दायरे में कर्ड नहीं आती।

अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में रहे रुम्पाराय जारवा प्रजाति की महानीकी को स्वादिष्ट भोजन का लालच देकर सैलानियों के समान नचाने के कुछ साल पहले बीड़ी-दृश्य ब्रिटिश अखबारों में स्लाइसेवेटर छोड़े थे। इन्हें इसान-प्रशासन के स्तर पर दूल्हालाने कवायद की गई थी, परंतु यह ठोस हकीकत थी। अभ्यारण्य में दुल्हभ वन्यजीवों को देखने की मंसा की तरह, दुल्हभ वन्यजीवों को देखने की इच्छा नव-धनादारों और रस्खादारों में प्रपुण रही है, और जिस सरकारी तंत्र की साथ पहला उल्लेखनीय दोस्ताना संबंध अप्रैल 1996 में हुआ था, वही इच्छा लालच देकर नचाने का काम कर रहा था। इसी कुत्सित मानसिकता के चलते कुछ लोग जारवाओं को इंसानों की बजाए, मनोरंजक खिलाड़ी भी मानते रहे हैं।

आधुनिक विकास और बढ़ारायी क्षमनियों के लिए वन कानून में लगातार ही रहे बदलावों के चलते अंडमान में ही नहीं देश भर की जनजातियों की संख्या लगातार घट रही है। आज और स्वास्थ्य जैसी मानसिकता जरूरतों की बढ़ी होती रही है, और जिस सरकारी तंत्र के साथ पहला उल्लेखनीय दोस्ताना संबंध अप्रैल 381 रह गई है।

एक अन्य टापू पर रहने वाले ग्रेट अंडमानी जनजाति के लोगों की आवादी केवल 97 के करीब है। इन लोगों में प्रतिरोधात्मक क्षमता इतनी कम होती है कि ये एक बार बीमार हुए तो इनका बचना नामुमानित हो जाता है। हालांकि अब इनकी प्रतिरोधात्मक क्षमता बढ़ाने के लिए टीकाकरण करने और पौष्टिक खुराक देने के उपाय निरंतर किए जा रहे हैं। मतदाता का अधिकार मिल जाने से तय है, यहां लोकतांत्रिक गतिविधियों भी कालांतर में बढ़ेंगी। करीब दो दशक पहले तक ये लोग पूरी तरह निर्वस्त्र रहते थे, लोकिन सरकारी कोशिशों और जानकारी दुर्भाग्यों के माध्यम से समझाइश देने पर इन्हें थोड़े-बहुत कपड़े पहनने अथवा पते लपेटे शुरू कर दिए थे।

भारत की सांस्कृतिक विविधता अनूठी खुबसूरी है। यहां विभिन्न आदिवासी समुदायों को अपने पुरातन व सनातन परिवर्षा में रहने की स्वतंत्रता हासिल है। हमारे देश के सांस्कृतिक परिवेश में ननता कभी फूहड़ अश्लीलता का पर्याय नहीं है। पाश्चात्य मूल्यों और भौतिकवादी आधुनिकता ने ही प्राकृतिक व स्वाधारिक ननता को दमित काम-वासाना की पृष्ठभूमि में रेखांकित किया है। बराना हमारे यहां तो खजुराहो, कोणार्क और कामसूत्र जैसे नितांत व मौलिक रचनाधर्मिता से स्पष्ट होते हैं कि एक राष्ट्र के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में हम कितनी व्यापक मानसिक दृष्टि से परिपक्ष लोग थे। अब लोगों को जो मत का अधिकार मिला है, उसके तहत ये अन्य समुदायों में विलय होंगे और इनका आवागमन भी बढ़ेगा। इनकी प्रतिरोधात्मक क्षमता भी सुनिश्चित हो सकेगी।

जातीय जनगणना की मांग

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय जनगणना कराए जाने की मांग को दोहराते हुए कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने के बाद किसी भी कीमत जातीय जनगणना करवा कर रहे गये। पटना में संविधान सुरक्षा सम्मेलन' को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि इस बात उन्होंने संसद में भी संविधान संसद की अनुरूप फौसद है, लेकिन वे व्यवस्था का हिस्सा नहीं हैं। यही कराण है कि हम जातीय जनगणना की मांग कर रहे हैं' यह ध्यान दिलाते हुए राहुल ने बिहार में की गई जाति आधारित गणना को %फॉर्जी' करार दिया। कहा कि यह %लोगों को बैवरूफ बनाने वाली है,' ऐसा है तो राहुल को सबसे पहले कांग्रेस शासित राज्य

एमपी में ठंड कम हुई, राजस्थान में भी गर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों में शनिवार को कोहरे का अलट जारी किया गया है। क्षेत्रीय और दिल्ली में सुख धूध छाँई रही। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी 50 मीटर रह गई थी। इसके चलते करीब 146 फ्लाइट्स देरी से उड़ें, वहीं 32 डिग्री के पछले 24 घण्टे में जयपुर, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, लद्दाख, भरतपुर समेत तमाम शहरों में आसमान साफ रहा और धूप निकली। जम्मू-कश्मीर में 31 जनवरी से चिल्ह-खुर्द का दौर शुरू हो गया। इस दौरान चिल्ह-खुर्द 20 दिन तक चलेगा। इसके बाद 10 दिन तक चिल्ह-खुर्द का दौर, चिल्ह-खुर्द काला 30 जनवरी को खत्म हुआ था।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त नवीन चावला का 79 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 16वें मुख्य चुनाव आयुक्त होने वाला का निधन हो गया। वे 79 साल के थे। कुछ दिन पहले बैन सर्जरी के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आज सुबह अस्पताल में ही उक्ता निधन हो गया चावला एजीएमपीटी कैडर के 1969 बैच के अईएस थे। वे 16 मई 2005 से 20 अप्रैल 2009 तक चुनाव आयुक्त और फिर 21 अप्रैल 2009 से 29 जुलाई 2010 तक देश के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे थे। उन्होंने एन गोपालस्वामी की जगह ली थी। अपने कार्यकाल के दौरान चावला ने कई सुधार किए। इसमें मनदाताओं के जेंडर में पुरुष और महिला के साथ थर्ड जेंडर के लिए अन्य की श्रेणी जोड़ा भी शामिल है।

अमेरिका में जिस युवक से राहुल गांधी मिले, वह घर लौटा

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के जिस युवक से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका में मुलाकात की थी, वह घर लौट आया है। अमेरिका दौरे के दौरान राहुल गांधी युवक से मिले थे। इस दौरान उन्होंने उससे बाद किया था कि वह भारत लौटकर उसके परिवार से जरूर मिलेंगे।

भाजपा में शामिल हुए आप छोड़ने वाले 8 विधायक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप आदमी पार्टी छोड़ने वाले 8 विधायकों ने शनिवार का भाजपा जॉइन कर ली। एक दिन पहले ही इन विधायकों ने चुनाव में टिकट नहीं मिलने और प्रशासन को अपने इस्तीफे की जावा बताया था।

दिल्ली विधायक सभा चुनाव के लिए 5 फरवरी पड़ सकता है।

आप विधायक त्रिवृत जिन नेताओं का ज्ञा ने भाजपा पर इन भाजपा में शामिल होना विधायकों को लालच देने गई थी। दिल्ली में 5 फरवरी को वोटिंग होनी है।

आप के लिए बड़ी मुश्किल का आरोप लगाया था।

प्रधानमंत्री ने बताया जनता का बजट, बोले- निवेश, उपभोग और विकास को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर तारीफ की है। मोदी ने इसे देश की आकांक्षाओं का बजट बताया है। मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है। उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय के सपनों को पूरा

करने वाला बजट है। हमने युवाओं के लिए कई सेक्टर खोले हैं। विकासित भारत के मिशन को आप नागरिक चलाने वाला है।

मोदी ने कहा कि यह बजट



बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिल्कुल उल्टा है। ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे... ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधारों के लिहाज से इस बजट

में कई अहम कदम उठाए गए हैं। परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना ऐतिहासिक है। इससे देश के विकास में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी का बड़ा योगदान सुनिश्चित होगा। मोदी ने कहा कि आज देश विकास भी, विरासत भी के मंत्र को लेकर चल रहा है।

इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं।

आंदोलन पर बैठे किसानों को बजट से आस, खेती के लिए रिजर्व बजट की मांग

पटियाला (एजेंसी)।

दातासिंह चाला-खनीरी किसानों से जिस दिन भारतीय बजट बताया जाएगा, वहीं शंभू बार्ड पर किसान नेता सरकन सिंह पंथर के नेतृत्व में किसान डटे हुए हैं। किसानों ने उम्मीद जताई है कि शुक्रवार से शुरू हुए बजट सत्र में केंद्र सरकार किसानों और कृषि के लिए विशेष बजट आवंटित करेगी।

केंद्र सरकार ने 14 फरवरी को बातचीत के लिए आमंत्रित



किया है, जबकि 13 फरवरी को आंदोलन के एक साल पूरे होने पर किसान बड़ा जयावंड करने जा रहे हैं। सरकन सिंह पंथर ने कहा कि किसान आंदोलन-2 को एक साल पूरा हो जाएगा। इसे देखते हुए शंभू बार्ड पर बड़ी संख्या में किसान जुटेंगे। लेकिन इससे पहले केंद्र को बजट को किसानों पर केंद्रित रखना चाहिए। सरकन सिंह पंथर ने कहा कि सरकार को लापता है कि उनकी नीति सही है।

फडणवीस-शिंदे की गिरफतारी की साजिश

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र सरकार ने देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे से जुड़े एक झूठे केस की जांच के लिए विशेष जांच दल (स्प्लॉच) का गठन किया है। मामला उड़वा टाकरे की अगुआई वाली महा विकास अधाड़ी सरकार के कार्यकाल का है। एमवीए सरकार ने 2022 में विषय के तत्कालीन नेता देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को झूठे मामले में फंसाकर गिरफतार करने की साजिश रची थी। हालांकि, उस वक्त शिंदे एमवीए सरकार का ही हिस्सा थे।

इसका खुलासा पूर्व डॉसीपी संजय पांडे और तत्कालीन डॉसीपी लक्ष्मीकांत पाटिल के बीच एक ऑडियो विलप के वायरल होने के बाद हुआ था। फडणवीस के भरोसेमंद सहयोगी प्रवीण दारेकर ने दिसंबर 2024 में नागपुर में राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान यह मुद्दा उठाया था। दारेकर ने उस समय खुलासा किया था कि कार्यकारी नेता देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे एमवीए सरकार का ही हिस्सा थे।

कीरी बडें-दो साल के बच्चे की है। एक शब रात को ही फटेहाबाद में शुक्रवार देर रात धने कोहरे के कारण एक क्लूर गाड़ी भाखड़ा नहर में जा गिरी। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है और 3 लोग अभी भी लापता हैं। जबकि 2 लोगों को बचा लिया गया है। शनिवार की 8 लोगों के शब सिरसा जिले में मिले। इनमें से 6 शब गांव गदराना के पास कालुआना माइनर में दो शब निकाल मिले हैं। इनमें चार महिलाएं, एक पुरुष, एक लड़की हैं। वहीं, रोड़ी क्षेत्र के गांव कुरांगावाली के पास भी गांव कालुआना माइनर में दो शब निकाल लिया गया था।

धूंध में क्रुजर नहर में गिरी, 9 की मौत

हिसार (एजेंसी)।

हरियाणा के फटेहाबाद में शुक्रवार देर रात धने कोहरे के कारण एक क्लूर गाड़ी भाखड़ा नहर में जा गिरी। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है और 3 लोग अभी भी लापता हैं। जबकि 2 लोगों को बचा लिया गया है। शनिवार की 8 लोगों के शब सिरसा जिले में मिले। इनमें से 6 शब गांव गदराना के पास कालुआना माइनर में दो शब निकाल मिले हैं। इनमें एक डेडबॉडी का एक पुरुष एवं एक लड़की हैं। वहीं, रोड़ी क्षेत्र के गांव कुरांगावाली के पास भी गांव कालुआना माइनर में दो शब निकाल लिया गया था।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़, 8 नक्सली मारे गए

जगदलपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में शनिवार को सुरक्षाकालों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में 8 नक्सली मारे गए हैं। ये संघर्ष और बढ़ सकती है। सुबह करीब 8:30 बजे से दोनों तरफ से रुक-रुकर गोलीबारी हो रही है। बताया जा रहा है कि सुरक्षाकालों के जवानों ने आईजी सुंदरराज पी ने की है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि

गंगालूर इलाके के जंगल में भारी संघर्ष में नक्सलियों की मौजूदगी है। सूचना पर बीजापुर से डीआरजी, एसटीएफ को बड़े क्षेत्रों को घेर रखा है। मुठभेड़ की पुष्ट बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने की है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि

राहुल का भाजपा पर वार, बोले- अडानी-अंबानी जैसे लोगों का कर्ज माफ करते हैं मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सदर बाजार में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि आज बजट पेश किया गया, बजट का लक्ष्य 25 लोगों को फायदा

